www.globalgandhi.com
info@globalgandhi.com

प्रेस विज्ञप्ति

05/APR/2026

भर्त्सना प्रस्ताव और अपील

ईरान पर हमले की भर्त्सना और युद्ध विराम और अपील ग्लोबल गांधी के तत्वावधान में संचालित यूथ फ़ॉर ट्रुथ की ऑनलाइन सभा ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित करते हुए ईरान पर अमेरिका-इज़राइल द्वारा चलाए जा रहे युद्ध की भर्त्सना की और तत्काल युद्धविराम की मांग की।

यूथ फ़ॉर ट्रुथ (सत्य के लिए युवा) के तत्वावधान में शनिवार चार अप्रैल 2026 को आयोजित ऑनलाइन सभा में एक प्रस्ताव में कहा , “यह सभा गांधीजी के जीवन, कर्म और विचारों की ओर विश्व के सत्ताधीशों और नागरिकों का ध्यान फिर से खींचती है, और यह पुनः प्रस्थापित करती है कि युद्ध नहीं , संवाद और सत्याग्रह ही गंभीर से गंभीर विवादों को हल करने का उपाय है।

इस अवसर पर महात्मा गाँधी के पड़पोते तुषार गांधी, गुजरात विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो. सुदर्शन अयंगर , उत्तर प्रदेश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष राम धीरज, डा. कुरेशी और वीके पंत सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे।कई वक्ताओं ने सुझाव दिया कि युद्ध के विरोध में शांति मार्च और प्रदर्शन आयोजित करने चाहिए.

वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह मानवता के लिए विनाशकारी मार्ग है। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और संवाद के मार्ग को ही स्थायी शांति का एकमात्र उपाय बताया। वक्ताओं ने यह भी रेखांकित किया कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनाने की आवश्यकता है ताकि वे भविष्य में इस प्रकार के संघर्षों को रोक सकें।

गांधीजी ने कहा था के An eye for an eye will make the world blind. बदले की आग में सभी झुलस कर खत्म हो जायेंगे। प्रस्ताव में कहा गया है कि ,”किसी भी स्थिति में युद्ध की जरूरत को नकारते हुए यह सभा, इस विभीषक हिंसा के आपराधिक युद्ध के प्रति अपना विरोध प्रकट करती है.

प्रस्ताव में कहा गया है कि ,”इस युद्ध को रोकने में संयुक्त राष्ट्र पूरी तरह नाकाम रहा है. दोनों ओर की सैन्य कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून को धता बता कर हो रही है और संघ इसे रोकने में भी असफल रहा है।

सभा ने इस सिद्धांत को दोहराया है कि सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए।

यह सभा मानती है कि किसी भी देश के पास परमाणु हथियार होने ही नहीं चाहिए। कोई एक या प्रबल देशों का समूह परमाणु हथियारों के संदर्भ में दोमुहां नीति नहीं अपना सकता।
यह सभा मानती है कि कोई भी बलशाली देश भू-राजनीति और धर्म के आधार पर अपने सत्य को ही प्रम सत्य मानकर किसी भी देश पर धर्म और भू-राजनीति के तहत युद्ध नहीं कर सकता। हाँ, अहिंसक सत्याग्रह कर सकता है। माना कि मानव सभ्यता के हजारों साल के इतिहास में अहिंसक प्रतिरोध और सत्याग्रह के उदाहरण बहुत ही कम है।

सभा ने अमेरिका, इज़राइल और ईरान से तत्काल युद्धविराम और संवाद की दिशा में कदम उठाने का आह्वान किया.
सभा ने विश्व के शांति-समर्थक नागरिकों और संगठनों से अपील की है कि वे शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रयास करें।

यूथ फ़ॉर ट्रुथ के बारे में
यूथ फ़ॉर ट्रुथ (Youth for Truth) युवा-आधारित पहल है, जिसका उद्देश्य सत्य, अहिंसा और संवाद के गांधीवादी मूल्यों को वैश्विक स्तर पर पुनर्स्थापित करना है। यह मंच युवाओं को जोड़कर उन्हें समकालीन वैश्विक मुद्दों पर जागरूक, संवेदनशील और सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है, ताकि एक शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण विश्व का निर्माण किया जा सके।

सादर,
टीम ग्लोबल गांधी